Publication: Business Bhaskar	**Date:** July 8, 2013
Edition: Jaipur	**Page:** 3

इंफ्राडेट के लिए विदेशी फंड्स से बातचीत जारी : चंदा कोचर

प्रेट्र • नई दिल्ली

बात पते की

300 करोड़ रुपये की इक्विटी कैपिटल से हुई है इंफ्राडेट की स्थापना

आईसीआईसीआई बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, सिटी बैंक व एलआईसी हैं प्रमोटर

भारतीय इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर को लंबी अवधि का कर्ज मुहैया कराने के लिए आईसीआईसीआई बैंक के नेतृत्व वाली कंपनी इंफ्राडेट फंड विदेशी फंड कंपनियों से बातचीत कर रही है। आईसीआईसीआई बैंक की एमडी व सीईओ चंदा कोचर ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि फंड जुटाने संबंधी गतिविधियों के लिए अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियों के साथ भी बातचीत जारी है।

चंदा कोचर ने कहा कि संपत्तियों का प्रवाह बनाना और विदेशी स्रोतों से लंबी अवधि का कर्ज हासिल करने के रास्ते तलाश करना हमारे अगले कदम होंगे। इस बारे में मेरा कहना यह है कि हम विदेशी फंड कंपनियों और अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियों के साथ शुरुआती स्तर की बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा आईडीएफ की स्थापना जैसे कदम से इंफ्रास्ट्रक्चर सेगमेंट में फंडिंग संबंधी जरूरतों को पूरा करने में बहुत मदद मिलेगी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा फरवरी में लाइसेंस हासिल होने के बाद से ही इंफ्राडेट ने काफी तरक्की की है और इसे क्रिसिल से सर्वोच्च रेटिंग हासिल हुई है।

भारत की पहली इंफ्रास्ट्रक्चर डेट फंड (आईडीएफ) कंपनी इंडिया इंफ्राडेट लिमिटेड को इंफ्राडेट के नाम से भी जाना जाता है। इसकी स्थापना बैंक ऑफ बड़ौदा, सिटीबैंक व भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के सहयोग से देश के सबसे बड़ी निजी कर्जदाता आईसीआईसीआई बैंक ने की है। इंफ्राडेट की स्थापना 300 करोड़ रुपये की शुरुआती इक्विटी कैपिटल से हुई है, जिसमें आईसीआईसीआई बैंक की सबसे ज्यादा 31 फीसदी हिस्सेदारी है। इसके अन्य तीन प्रमोटर्स में से बैंक ऑफ बड़ौदा की 30 फीसदी, सिटी बैंक की 29 फीसदी व एलआईसी की 10 फीसदी हिस्सेदारी है। पिछले सप्ताह ही क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने इस इंफ्राडेट को 'एएए' की सर्वोच्च रैंकिंग दी थी।